

प्रेषक,

पी0एल0 ग्राह.

उप सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

कुलसचिव/ वित्त नियंत्रक,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

इल्हाली जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-8 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 28 जनवरी, 2010

विषय : वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित अवशेष धनराशि अनुमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपसे पत्र संख्या : Admin/01/53/09-2010 दिनांक 26 नवम्बर 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनागत पक्ष में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, इल्हाली हेतु प्राविधानित धनराशि रुपये 02,74,000/- के सापेक्ष विश्वविद्यालय के प्रस्तावानुसार वेतनादि मदों हेतु शासनादेश संख्या : 60/XXIV(6)/2009 दिनांक 15 मई 2009 द्वारा रुपये 91,000/- तथा विज्ञापन प्रकाशन तथा पुस्तकों के खर्च हेतु रुपये 1,83,000/- शासनादेश संख्या : 60/XXIV(8)/2009 दिनांक 14 अप्रैल 2009 इस प्रकार कुल धनराशि रुपये 2,74,000/- पूर्व में ही स्वीकृत की जा चुकी है। विश्वविद्यालय को वेतन, मजदूरी, यात्रा भत्ता कार्यालय व्यय, किराया, टेलीफोन, बिजली, कम्प्यूटर अनुसंधान तथा अध्ययन केन्द्रों के संचालन हेतु न्यूनतम आवश्यकता के अन्वये पर आलोच्य वित्तीय वर्ष 2009-10 की प्रथम अनुपूर्वक मंजूर के तहत स्वीकृत धनराशि रुपये 88,00,000/- (अठ्ठाठ्ठा लाख रुपये) निम्नलिखित प्रतिशतों के तहत वितर्जन पर रखते हुए व्यय किए जाने की भी राज्यपाल महोदय सहमति स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- स्वीकृति की गयी धनराशि निर्देशक, उच्च शिक्षा, इल्हाली नैनीताल के प्रतिहस्ताकर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी । उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिए वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई 2009 में विहित शर्तों के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत सित्पतता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा । अवधनवद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व सख्त स्तर की स्वीकृति अवश्य प्राप्त की जाएगी ।

3- व्यय करते समय वित्तीय हस्तापूर्तिपत्र, उत्तराखण्ड अधिव्याप्ति नियमावली, 2006, डी0जी0एस0एन0डी0 की दर तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं सित्पतता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, व्यय की गयी राशियों का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।

5- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए वह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 11 के अजीम लेखाधीन 2202-सामान्य शिक्षा-आयोजनगत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-07-राज्य मुक्त विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

(7) यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या - 777(P)/XXVII(3)/2010 दिनांक 22 जनवरी-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

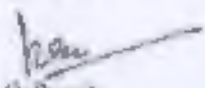
भवदीय

(पीएनएल शाह)
रूप सचिव

पुष्पांकन संख्या : १३५ /XXIV(6)/2009 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल
3. जिलाधिकारी, नैनीताल ।
4. कोषाधिकारी, रुड़की ।
5. निदेशक, उच्च शिक्षा, रुड़की ।
6. निदेशक, एनआरडीपीए उत्तराखण्ड ।
7. शिक्षा अनुमान-3/विश्वविद्यालय विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
8. प्रिन्सी सचिव या मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
9. बजट सजफोर्सीय, निरक्षर एवं संसाधन समिधालय, देहरादून ।
10. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,


(वीरराम)
अनु सचिव ।